This question paper contains 8 printed pages]

3641-P

B.A. (III Year) (Private) EXAMINATION, 2017

SANSKRIT

Paper I

(वैदिक व लौकिक काव्य एवं गद्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : 20]

Answer all questions (50 words each).

***All** questions carry equal marks.*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : 50]

*Answer five questions in all (250 words each), selecting **one** question from each Unit.*

***All** questions carry equal marks.*

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part C (खण्ड 'स') [Marks : **30**]

*Answer any two questions (**300** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'अ'

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई I

(*i*) वरुणसूक्त के ऋषि एवं सूक्त में प्रयुक्त छंद का नाम बताइए ।

(*ii*) विष्णुसूक्त के ऋषि एवं उसमें प्रयुक्त छंद का नाम बताइए ।

इकाई II

(*iii*) नचिकेता के पिता का क्या नाम था ?

(*iv*) नचिकेता ने प्रथम वरदान में यम से क्या माँगा ?

इकाई III

(*v*) सम्पूर्ण सम्पत्तियाँ किसकी सहचारिणी बन कर रहती हैं ?

(*vi*) "वरं विरोधोऽपि समं महात्मभि:" उक्ति किसने कही और किससे कही ?

इकाई IV

(*vii*) भीम की स्थिति वनवास से पूर्व एवं पश्चात् कैसी बतायी गयी है ?

(*viii*) "शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृत:" उक्ति किसने कही और क्यों कही ?

इकाई V

(*ix*) 'शुकनासोपदेश' किस कृति का अंश है तथा इसके रचनाकार कौन हैं ?

(*x*) शुकनास ने किन्हें अनर्थों की परम्परा या शृंखला बताया है ?

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

(क) अग्नि: पूर्वेभिर्ऋषिभिरीड्यो नूतनैरुत ।

स देवाँ एह वक्षति ॥

(ख) येनेमा विश्वाच्यवना कृतानि यो दासं वर्णमधरं

गुहाकः।

श्वघ्नीव यो जिगीवाँ लक्षमाददर्य पुष्टानि स जनास

इन्द्रः॥

(ग) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जात पतिरेक आसीत् ।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा

विधेम ॥

(घ) विष्णोर्नु कं वीर्याणि प्र वोचं यः पार्थिवानि विममे

रजांसि।

यो अस्कमायदुत्तरं सधस्थं विचक्रमाणस्तेधोरुगायः ॥

इकाई II

3. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए :

(क) अनुपश्य यथा पूर्वे,

प्रतिपश्य तथाऽपरे ।

सस्यमिव मर्त्यः पच्यते,

सस्यमिवाऽऽजायते पुनः॥

(ख) शान्तसंकल्प सुमना यथा स्याद्,

वीतमन्युर्गौतमो माऽभि मृत्यो ।

त्वत्प्रसृष्टं माऽभिवदेत् प्रतीतः

एतत् त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे ॥

(ग) श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेत-

स्तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः ।

श्रेयो हि धीरो अभिप्रेयसो वृणीते,

प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते ॥

(घ) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः

स्वयं धीराः पण्डितम्मन्यमानाः ।

दन्द्रभ्यमाणाः परियन्ति मूढाः,

अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः ॥

इकाई III

4. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) क्रियासु युक्तैर्नृप ! चारचक्षुषो न वञ्चनीयाः

प्रभवोऽनुजीविभिः ।

अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा हितं मनोहारिच

दुर्लभं वचः॥

अथवा

(ख) वसूनि वाञ्छन्न वशी न मन्युना स्वधर्म इत्येव

निवृत्तकारणः ।

गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा निहन्ति दण्डेन स

धर्मविप्लवम्॥

इकाई IV

5. निम्नलिखित पद्य की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

(क) व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः ।
प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथा विधानसंवृत्ताङ्गान्निशिता इवेषवः ॥

अथवा

(ख) न समयपरिरक्षणं क्षमं ते निकृतिपरेषु परेषु भूरिधाम्नः।
अरिषु हि विजयार्थिनः क्षितीशा विदधति सोपधि सन्धि दूषणानि ॥

इकाई V

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) आलोकयतु तावत् कल्याणभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम् । इयं हि सुभट खड्गमण्डलोत्पलवन-विभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात् पारिजात पल्लवेभ्यो रागम्, इन्दुशकलादेकान्त वक्रताम् उच्चैः श्रवसश्चंचलताम्, कालकूटान्मोहशक्तिम्, मदिराया मदम्, कौस्तुभमणेर्नैष्ठुर्यम्, इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद् विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वोद्गता । न हवेवंविधमपरिचितमिह जगति कश्चिदस्ति यथेयमनार्या ।

अथवा

(ख) परस्परविरुद्धञ्चेन्द्रजालमिवं दर्शयन्ती प्रकटयति जगति निजं चरितम् । तथा हि सततमूष्माणमुपजनयन्त्यपि जाड्यमुपजनयति । उन्नतिमानधानापि नीचस्व-भावतामाविष्करोति । तोयराशिसम्भवापि तृष्णां सम्वर्धयति । ईश्वरतां दधानाप्यशिव प्रकृतित्वमातनोति । बलोपचयमाहरन्त्यपि लघिमानमापादयति । अमृतसहोदरापि कटुक विपाका । विग्रहवत्यप्य प्रत्क्षादर्शना । पुरुषोत्तमरतापि खलजन प्रिया । रेणुमयी व स्वच्छमपि कलुषीकरोति ।

खण्ड 'स'

इकाई I

7. 'पुरुषसूक्त' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

इकाई II

8. कठोपनिषद् में नचिकेता ने यम से जो तीन वरदान मांगे उन्हें अपने शब्दों में लिखिए ।

इकाई II

9. 'किरातार्जुनीयम्' में वर्णित राजनीति सम्बंधी विचारों का उल्लेख कीजिए ।

इकाई IV

10. 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

इकाई V

11. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर गुरु के उपदेश के महत्व का वर्णन कीजिए ।